Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-405

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

B.A. Darshan, Semester : Fourth
Sanskrit ; Paper : Fifth

संस्कृतसाहित्य

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. तैत्तिरीयोपनिषद् के शिक्षाध्याय में (नवमोऽनुवाक् में) वर्णित "तप" का वर्णन करें।
2. श्रीमद्भगवदगीता के चतुर्दशोऽध्याय (गुणत्रयविभाग योग) को समझाते हुए किन्हीं तीन (03) श्लोकों की विशद् व्याख्या करें।
3. "ऐतरेयोपनिषद्" का परिचय देते हुए सम्पूर्ण सार लिखिए।
4. तैत्तिरीयोपनिषद् के ग्यारहवें अनुवाक के (आचार्य द्वारा स्नातकोत्तर शिष्य को) दिये गये उपदेशों को अर्थसहित लिखिए।
5. "ऊर्ध्वं गच्छति सत्त्वस्था मध्ये तिष्ठन्ति राजसाः।" पर विशद् टिप्पणी लिखिए।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

व्याख्या करें –

1. "समदुःखसुखःस्वस्थः समलोष्टाश्मकाञ्चनः।
   तुल्यप्रियाप्रियो धीरस्तुल्यनिन्दात्मसंस्तुतिः।।"
2. तैत्तिरीयोपनिषद् में (ब्रह्मानन्द वल्ली के द्वितीय अनुवाद) जिसमें अन्न की महिमा है, लिखिए।
3. पंच कोशों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
4. परमात्मा के मुख्य निजनाम "ओ३म्" का क्या महत्त्व है? (तैत्तिरीयोपनिषद् के अनुसार लिखिए।)
5. "अग्निर्वाग्भूत्वा मुखं प्राविशद्. ..... प्राविशन्" – इस प्रसंग को लिखिए।
6. तैत्तिरीयोपनिषद् का सम्पूर्ण परिचय लिखिए।
7. रजोगुण, तमोगुण तथा सतोगुण का परिचय दें।

----------x----------